Asthal Bohar, Rohtak-124021
NH-10, NCR, Haryana (India)

12 December, 2022
Thursday
Page No.1

BMU IN NEWS

BABA MASTNATH UNIVERSITY

रोहतक केसरी

बी.एम.यू. में मानव अधिकार दिवस पर व्याख्यान आयोजित

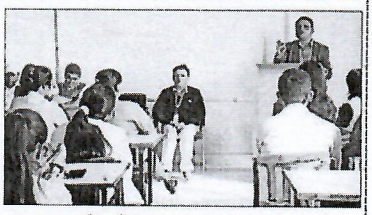

मानव अधिकारों पर व्याख्यान करते डा. प्रदीप कुमार।

रोहतक 10 दिसंबर (स.ह.) : बाबा मस्तनाथ विश्विद्यालय के मानविकी संकाय के राजनीतिविज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता डा. प्रदीप कुमार, सहायक प्रोफेसर महर्षि दयानंद विश्विद्यालय, रोहतक रहे।

उन्होंने अपने वक्तव्य में ग्रीस, यूरोप, अमरीका एवं भारत के विद्वानों द्वारा मानव अधिकारों पर लिखे गये साहित्य की चर्चा की तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के मानव अधिकार चार्टर एवं भारत के संविधान में दिये मौलिक अधिकारों के बीच संबंध को भी दर्शाया। उन्होंने यह भी बताया कि आर्थिक स्वतंत्रता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है।

इस मौके पर राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन के विभागाध्यक्ष डा. ब्रह्मप्रकाश ने विद्यार्थियों को मानव अधिकारों के महत्व के बारे में बताया।

कार्यक्रम के अंत में मानविकी संकाय के डिप्टी डीन डा. सुधीर मलिक एवं विभाग अध्यक्ष डा. ब्रह्म प्रकाश ने डा. प्रदीप कुमार को प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डिप्टी डीन डॉ. सुधीर मलिक , डॉ. सुशील, डॉ सुमन, डॉ. तरुण, डॉ. अतुल, डॉ. पुष्प सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

Janmarg News

बीएमयू में विश्व मानव अधिकार दिवस पर व्याख्यानमाला आयोजित

जगमार्ग न्यूज

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्विद्यालय के मानविकी संकाय के राजनीतिविज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता डॉ.प्रदीप कुमार, सहायक प्रोफेसर महर्षि दयानंद विश्विद्यालय,रोहतक रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में मानव अधिकार की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए ग्रीस, यूरोप, अमरीका एवं भारत के विद्वानों द्वारा मानव अधिकारों पर लिखे गए साहित्य की चर्चा की तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के मानव अधिकार चार्टर एवं भारत के संविधान में दिए मौलिक अधिकारों के बीच संबंध को भी दर्शाया। उन्होंने यह भी बताया कि आर्थिक स्वतंत्रता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है इस मौके पर राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन के विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मप्रकाश ने विद्यार्थियों को मानव अधिकारों के महत्व के बारे में बताया।

डॉ. मनजीत ने 1919 अधिनियम एवं 1935 में लाए हुए अधिनियम (एक्ट) के बारे मे बताया एवं सभी के लिए स्वतंत्रता की बात की। डॉ. निशा ने समानता के विषय में और डॉ. बबीता ने सभी के लिये न्याय के विषय में बात की।

दैनिक भास्कर

बीएमयू में मौलिक अधिकारों पर चर्चा

रोहतक | बाबा मस्तनाथ विश्विद्यालय के मानविकी संकाय के राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. प्रदीप कुमार रहे। उन्होंने ग्रीस, यूरोप, अमरीका एवं भारत के विद्वानों द्वारा मानव अधिकारों पर लिखे गये साहित्य की चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र संघ के मानव अधिकार चार्टर एवं भारत के संविधान में दिए मौलिक अधिकारों के बीच संबंध को भी दर्शाया। इस दौरान डॉ. ब्रह्मप्रकाश ने विद्यार्थियों को मानव अधिकारों के महत्व के बारे में बताया। डॉ. मनजीत ने सभी के लिए स्वतंत्रता की बात की। डॉ. निशा ने समानता और डॉ. बबीता ने न्याय के विषय में बात की। डॉ. सोनिका ने मानव अधिकारों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की। संचालन शोधार्थी आस्था अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम डॉ. सुधीर मलिक एवं डॉ. ब्रह्म प्रकाश ने डॉ. प्रदीप कुमार को प्रतीक चिह्न भेंटकर आभार व्यक्त किया। इस दौरान डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. सुशील, डॉ. सुमन, डॉ. प्रवेश, डॉ. तरुण, डॉ. अतुल,वं डॉ. सत्येंद्र, डॉ. पुष्प मौजूद रहे।